भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

27.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3947 का उत्तर

तमिलनाडु में रेल परियोजनाओं का पुनरुद्धार

3947. श्रीमती राजाथी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु सरकार से प्राप्त विस्तृत अभ्यावेदन पर मंत्रालय द्वारा क्या कार्रवाई की गई है, जिसमें मदुरै-तूतीकोरिन नई ब्रॉड गेज लाइन और तिण्डिवनम-तिरुवन्नामलाई नई ब्रॉड गेज लाइन परियोजनाओं, जिन्हें अभी स्थगित रखा गया है, को पुनर्जीवित करने का अनुरोध किया गया था;

(ख) पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान इन परियोजनाओं को पुनर्जीवित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) मंत्रालय किस समय-सीमा के भीतर तमिलनाडु के लिए महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं को पूरा करने की मंशा रखता है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): मदुरै वान्ची मणियाच्ची और विरुदुनगर के रास्ते मौजूदा रेलवे नेटवर्क द्वारा तूत्तुक्कुडि से जुड़ा हुआ है। बहरहाल, मदुरै - तूत्तुक्कुडि के बीच सीधी संपर्कता प्रदान करने के लिए, मदुरै - अरूप्पुकोट्टै - तूत्तुक्कुडि नई लाइन (143 कि.मी.) का कार्य भी शुरू किया गया है। इस परियोजना का मीलविट्टान और मेलनमारुदुर (18 कि.मी.) खंड कमीशन कर दिया गया है।

तिण्डिवनम - जिंजी - तिरुवन्नामलै नई लाइन परियोजना (71 कि.मी.) को ₹1,400 करोड़ की लागत से स्वीकृत किया गया था। भूमि अधिग्रहण में विलंब होने के कारण कार्य आगे नहीं बढ़ सका, बहरहाल, जनता की मांग पर, कार्य फिर से शुरू कर दिए गए हैं।

तमिलनाडु:-

रेल बजट:-

पिछले कुछ वर्षों में बजट आबंटन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः आने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹879 करोड़/प्रतिवर्ष
2025-26	₹ 6,626 करोड़ (7.5 गुना से अधिक)

स्वीकृत की गई परियोजनाएं:-

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः आने वाली 22,808 करोड़ रुपए की लागत पर 1,700 किलोमीटर लंबाई वाली 15 परियोजनाएं (09 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 03 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	9	812	24	1,337
आमान परिवर्तन	3	748	604	3,471
दोहरीकरण/बहुपथन	3	140	37	2,783
कुल	**15**	**1,700**	**665**	**7,591**

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

<u>हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:-</u>

तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाओं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल-पलनि-पोल्लाच्चि आमान परिवर्तन (121 कि.मी.)	610
2	पोल्लाच्चि-पालघाट आमान परिवर्तन (56 कि.मी.)	350
3	पोल्लाच्चि-पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 कि.मी.)	400
4	कोल्लम-तिरुनेलवेली-तिरुच्चेंदुर आमान परिवर्तन (357 कि.मी.)	1,122
5	मयिलाडुतुरै-तिरुवारूर-कारैक्कुडि आमान परिवर्तन (187 कि.मी.)	1,338
6	मदुरै-बोडिनायक्कनूर आमान परिवर्तन (90 कि.मी.)	593
7	चेंगलपट्टु-विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 कि.मी.)	670
8	तिरुवल्लूर-अरक्कोणम चौथी लाइन (27 कि.मी.)	83
9	चेन्नै सेंट्रल-बेसिन ब्रिज दोहरीकरण (2 कि.मी.)	31
10	तंजावूर-पोन्मल्लै दोहरीकरण (48 कि.मी.)	370
11	विल्लुपुरम-दिंडुक्कल दोहरीकरण (273 कि.मी.)	2,000
12	चेन्नै बीच-कोरुक्कुपेट्टै तीसरी लाइन (5 कि.मी.)	168
13	चेन्नै बीच-अत्तिपट्टु चौथी लाइन (22 कि.मी.)	293
14	ओमलूर-मैट्टूरडैम दोहरीकरण (29 कि.मी.)	327
15	चेंगलपट्टु-विल्लुपुरम और तांबरम-चेंगलपट्टु तीसरी लाइन (133 कि.मी.)	1,122
16	सेलम-मैगनेसाइट जं.-ओमलूर दोहरीकरण (11 कि.मी.)	115
17	मदुरै- मणियाच्चि-तुत्तुक्कुडि दोहरीकरण (160 कि.मी.)	1,891
18	मणियाच्चि-नागरकोविल दोहरीकरण (102 कि.मी.)	1,752
19	चेन्नै बीच-चेन्नै ऐषुंबूर दोहरीकरण (4 कि.मी.)	272
20	कारैक्काल-पेरलम नई लाइन (23 कि.मी.)	373
21	नॉर्दन एंड पोर्ट से कारैक्कल पोर्ट तक संपर्कता (1 कि.मी.)	18

चालू परियोजनाएं:-

तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाओं, जिन्हें हाल ही में शुरू किया गया है, का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	तिण्डिवनम-नागरि नई लाइन (184 कि.मी.)	3,631
2	मोरप्पुर-धर्मपुरि नई लाइन (36 कि.मी.)	359
3	नागप्पट्टिनम-तिरुतुरैपुंडि नई लाइन (43 कि.मी.)	742
4	तिरुवनंतपुरम-कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	3,785
5	अरक्कोणम यार्ड तीसरी और चौथी लाइन (6 कि.मी.)	98
6	पेरम्बूर - अम्बत्तुर पांचवीं और छठी लाइन (6 कि.मी.)	178
7	इरुगुर-पोदनूर दोहरीकरण (11 कि.मी.)	277
8	तांबरम-चेंगलपट्टू चौथी लाइन (30 कि.मी.)	757
9	अट्टीपट्टू-गुम्मिडिपंडी तीसरी और चौथी लाइन (23 कि.मी.)	375
10	तिरुपति-पकाला-कटपाडी दोहरीकरण (105 कि.मी.)	1332
11	तिण्डिवनम-गिंगी-तिरुवन्नामलाई नई लाइन (71 कि.मी.)	1400
12	अट्टीपट्टू - पुत्तूर नई लाइन (88 कि.मी.)	1700
13	महाबलीपुरम के रास्ते चेन्नई - कुड्डुलोर नई लाइन (179 कि.मी.)	2670

तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः आने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रूका हुआ है। तमिलनाडु राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल आवश्यक भूमि	4,326 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	1,052 हेक्टेयर (24%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3,274 हेक्टेयर (76%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल आवश्यक भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की जाने वाली शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	तिण्डिनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 कि.मी.)	276	33	243
2.	अतिपट्टु-पुत्तूर नई लाइन (88 कि.मी.)	189	0	189
3.	मोरप्पूर-धर्मपुरि नई लाइन (36 कि.मी.)	92	45	47
4.	मन्नारगुडि-पट्टुक्कोट्टै नई लाइन (41 कि.मी.)	196	0	196
5.	तंजावुर-पट्टुक्कोट्टै नई लाइन (52 कि.मी.)	152	0	152

इसके अलावा, रामेश्वरम-धनुषकोडि नई लाइन (18 कि.मी.) को 734 करोड़ रुपए की लागत पर स्वीकृत किया गया था। परियोजना का शिलान्यास दिनांक 01.03.2019 को किया गया था। बहरहाल, परियोजना शुरू नहीं की जा सकी क्योंकि तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं किया गया।

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, बहरहाल, इनकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई प्रथम और अंतिम छोर संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धताॅ

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी साधनों का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं

****